टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए' , मिनी रत्न , पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work® Certified JUN 2024-JUN 2025 INDIA

गंगावतरणम्
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

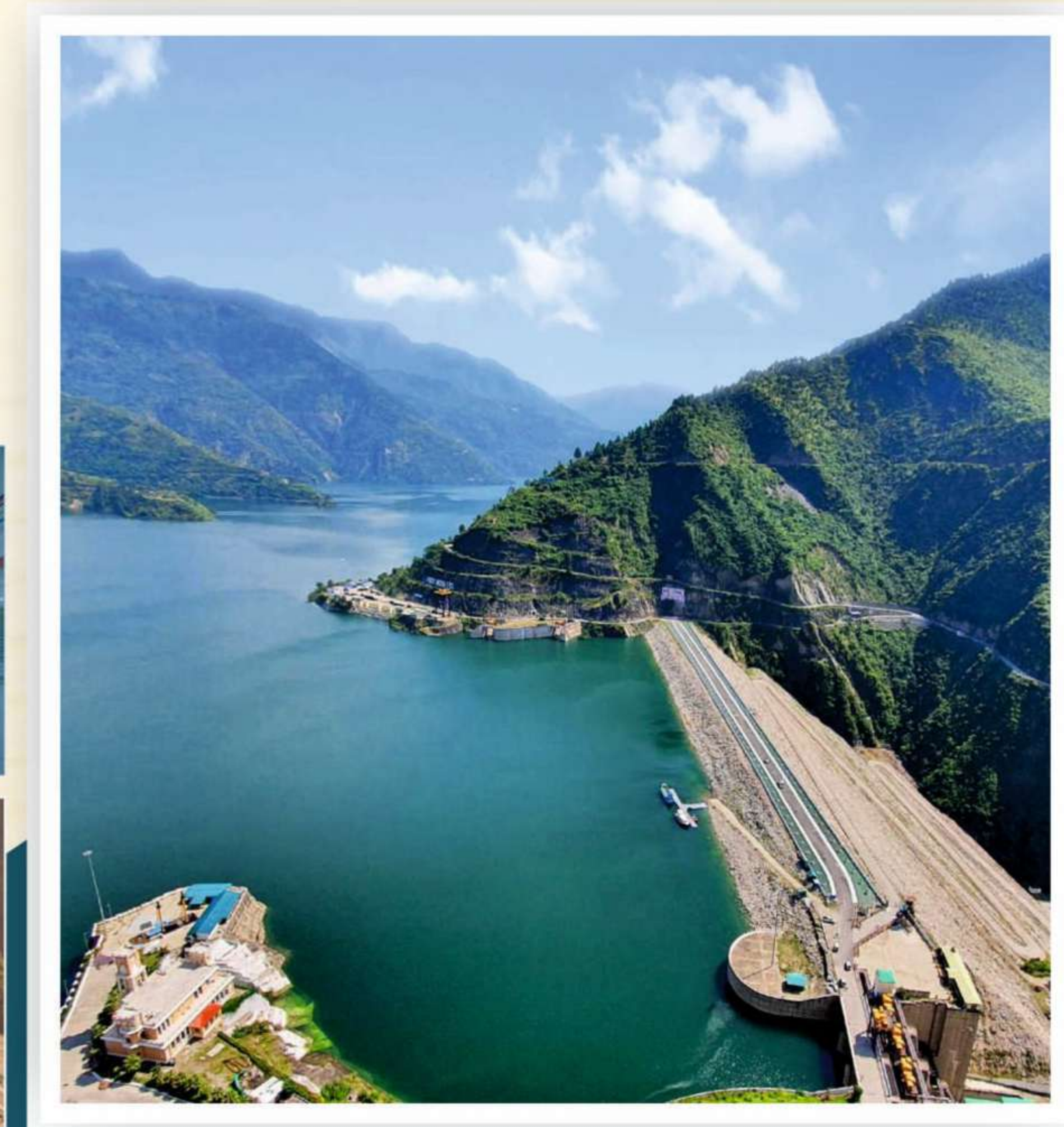

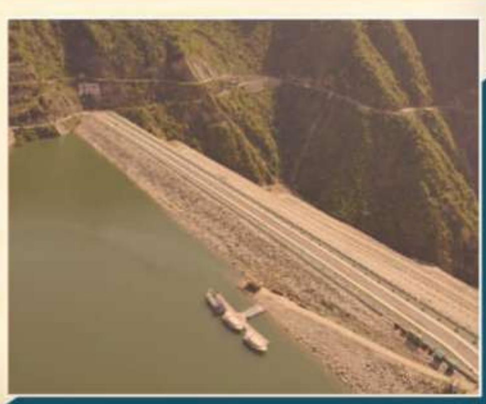
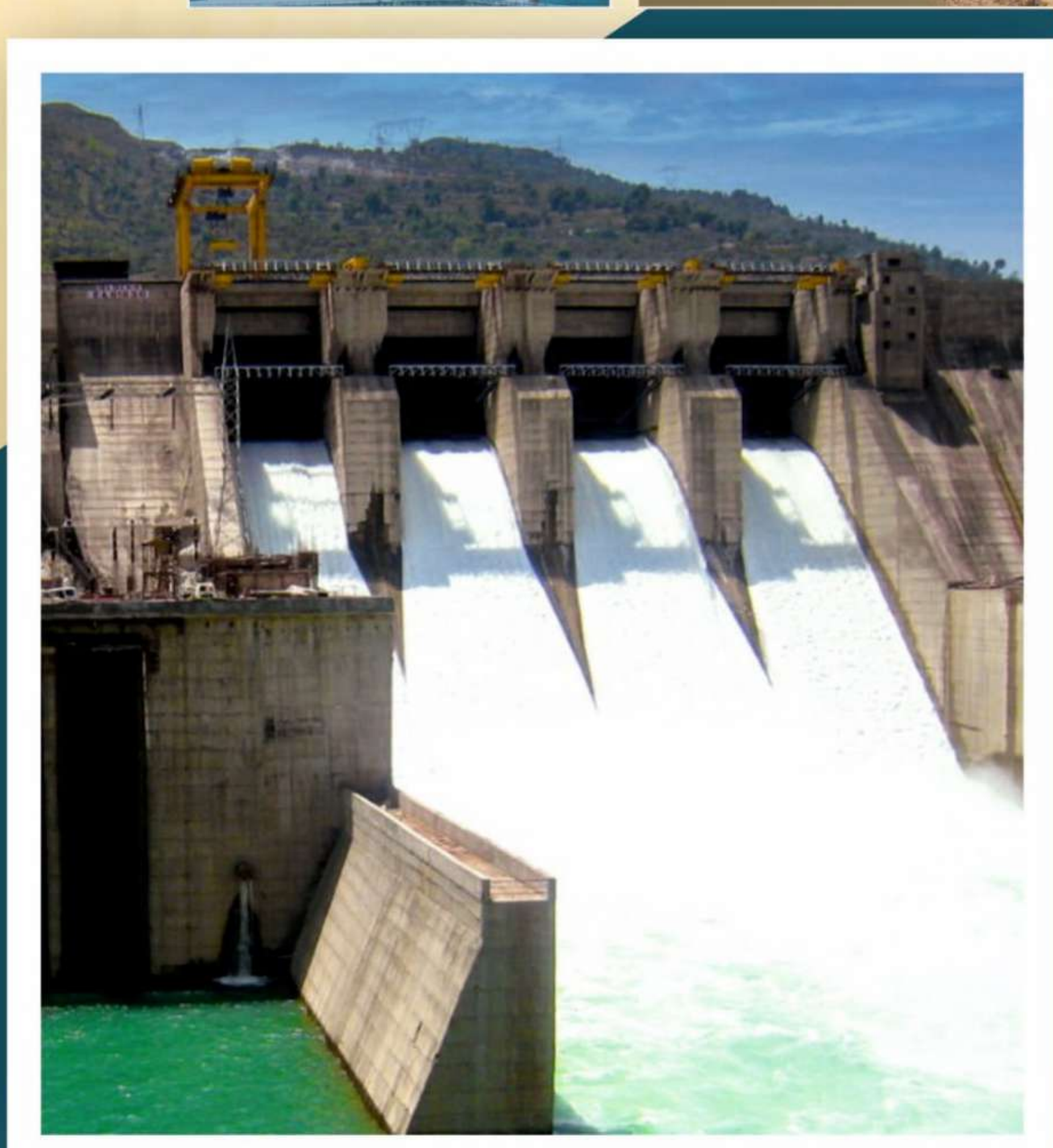

अप्रैल,2025

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ठ सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक(जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Message —— 3.

2. THDC signs tripartite MoU for slope stability of Shri Mata Vaishno Devi Yatra Route —— 4.

3. Hon'ble CM of AP chaired the 8th meeting of the State Hydropower Development Steering Committee —— 5.

4. Synchronization of 1st Unit of 1000 MW Variable Speed PSP in Pump Condenser Mode & Director (Hydro) inspected Khurja project —— 6.

5. 1000 MW PSP Achieved Milestone with Successful First-Time Pumping & PSU Day organized at Amelia —— 7.

6. World Malaria Day observed at Rishikesh & Public Enterprises Week celebrations and Health camp organized in Tehri —— 8.

7. Women's Day organized at Tehri & DM (Bulandshahr) visited KSTPP & Brain Yoga Workshop organized at KSTPP —— 9.

8. Successful completion of Boiler Light-up process of Unit-2 of 1320 MW KSTPP & PSU Day organized at KSTPP —— 10.

9. World Bank team visited VPHEP & Joint quarterly meeting of the executive committee of the security committee of Tehri project concluded & Health Camp organized at VPHEP —— 11.

10. Ladies Club —— 12.

11. HRD Corner —— 13.

12. 54th National Safety Day celebrated in Koteshwar Project & Industrial Visit for Polytechnic Students at VPHEP —— 14.

13. Marathon 4.0 at Tehri & Mock Drill at VPHEP —— 15.

14. Retirements —— 16.

कर्म ज्यायो ह्यकर्मण:।
Action is always greater than inaction.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

प्रिय पाठकों,

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका 'गंगावतरणम्' के इस अप्रैल 2025 अंक के माध्यम से आप सभी से पुनः संवाद करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह अंक न केवल एक नवीन वित्तीय वर्ष 2025-26 के आरंभ का प्रतीक है, बल्कि हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता, नवोन्मेषी दृष्टिकोण और सतत विकास की ओर बढ़ते हुए कदमों का प्रतीक भी है।

साथियों, अप्रैल का यह महीना हमारे लिए कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा। हमने न केवल अपनी प्रमुख परियोजनाओं में ठोस प्रगति दर्ज की, बल्कि संगठनात्मक विकास, तकनीकी नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के क्षेत्रों में भी नए मानक स्थापित किए।

1000 मेगावाट टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना की प्रथम इकाई को पंप कंडेंसर मोड में सिंक्रोनाइज़ करके और साथ ही पहली बार सफल पंपिंग के साथ हमने इस परियोजना में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की | 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में यूनिट-2 के बॉयलर लाइट-अप प्रक्रिया की सफलता के साथ एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जो दर्शाता है कि सभी परियोजनाओं पर कार्य गतिशील प्रगति कर रहा है, जो हमारी समर्पित तकनीकी और प्रबंधन टीम की मेहनत और दूरदर्शिता का प्रमाण है। इन परियोजनाओं के माध्यम से न केवल ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राष्ट्र को स्वच्छ और सतत ऊर्जा देने की दिशा में भी हमने एक ठोस कदम बढ़ाया है।

इसके अतिरिक्त स्वच्छता अभियान, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम तथा कार्यालय परिसर में पर्यावरण से संबंधित गतिविधियों जैसे प्रयासों ने कार्यस्थल को अधिक सकारात्मक, स्वस्थ और प्रोत्साहनकारी बनाया है। इन अभियानों में कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि हम केवल उत्पादन के लक्ष्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक समावेशी और मानवीय कार्यसंस्कृति के निर्माण के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

सुरक्षा सप्ताह का आयोजन भी इसी भावना का प्रतिबिंब था, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह हमारी कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता और ज़िम्मेदारी को दर्शाता है। सुरक्षा हमारे संगठन की मूल संस्कृति में समाहित है, और इसका संरक्षण हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जैसे-जैसे हम नए वित्तीय वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि हम अपने पूर्व अनुभवों से प्रेरणा लें और आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहें। यह समय है नवोन्मेष को अपनाने का, सहयोग को सशक्त करने का और नेतृत्व को साझा करने का।

मैं सभी कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता और प्रतिबद्धता को बनाए रखें और टीएचडीसीआईएल को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक अग्रणी, किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा संगठन के रूप में स्थापित करने में योगदान दें।

आइए, हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रखेंगे, ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को एक उज्ज्वल, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य दे सकें।

जय हिन्द ! जय भारत !

(आर. के. विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टीएचडीसी ने श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग की ढलान स्थिरता के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

टीएचडीसी विद्युत क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते विद्युत क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। जल विद्युत के क्षेत्र में अपनी प्रखरता प्राप्त करने वाले टीएचडीसीआईएल ने उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी समाधानों में भी अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है, विशेष रूप से ढलान स्थिरीकरण, भूस्खलन शमन और भू-तकनीकी परामर्श के क्षेत्रों में, विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हिमालयी भूविज्ञान में महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय विद्युत नीति के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता, 'सभी को 24X7 किफायती, विश्वसनीय विद्युत प्रदान कराने के साथ ही इसने हमेशा समाज को लाभ पहुंचाने एवं जनसमुदाय के उत्थान और राष्ट्र की समग्र प्रगति में योगदान देने का प्रयास किया है।

माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल देश के लोगों के मध्य असीम आस्था और श्रद्धा का स्रोत है। इस विशेष कार्य में एक विश्वसनीय तकनीकी भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करते हुए, टीएचडीसीआईएल ने श्री माता वैष्णो देवी, कटरा, जम्मू-कश्मीर के श्राइन बोर्ड और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। 08 अप्रैल, 2025 को कटरा, जम्मू-कश्मीर में श्राइन बोर्ड के केंद्रीय कार्यालय में औपचारिक रूप से किए गए इस समझौते का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी भवन की ओर जाने वाले यात्रा मार्ग का ढलान स्थितिकरण का अध्ययन करना है। इस सहयोग के माध्यम से, टीएचडीसीआईएल आधुनिक तकनीक द्वारा ढलान स्थिरीकरण, भू-तकनीकी और भूगर्भी अन्वेषण में अपने व्यापक अनुभव द्वारा परामर्श सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे तीर्थयात्रा मार्ग की दीर्घकालिक सुरक्षा व आवागमन सुनिश्चित होगा।

टीएचडीसीआईएल के परिकल्प एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत एक समर्पित परामर्श विंग है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर जल संसाधन अभियांत्रिकी और उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी सेवाओं के क्षेत्र में संपूर्ण अभियांत्रिकी समाधान प्रदान करती है। निगम की यह विंग केंद्र और राज्य सरकार के निकायों के साथ-साथ अन्य वैधानिक प्राधिकरणों को विशेष रूप से भूस्खलन शमन और ढलान स्थिरीकरण के क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में समाधान प्रदान करती है।

हस्ताक्षर करते समय श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ, श्री अंशुल गर्ग (आईएएस) और टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने इस पहल के सामरिक महत्व पर प्रकाश डाला। टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) ने इस अवसर पर वार्ता करते हुए इस बात पर जोर दिया कि टीएचडीसीआईएल जून 2011 से श्राइन बोर्ड के लिए तकनीकी सलाहकार के रूप में काम कर रही है, जो संगठन की क्षमताओं में विश्वास का प्रमाण है। इस नए समझौते के तहत, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरे तीर्थयात्रा मार्ग पर भूवैज्ञानिक अन्वेषण करेगा, जबकि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भू-तकनीकी और भूभौतिकीय आकलन के साथ-साथ ढलान स्थिरीकरण उपायों के परिकल्प एवं अभियांत्रिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सहयोग तीर्थयात्रा ट्रैक की विश्वसनीयता, सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। अपने परामर्श कार्य के एक भाग के रूप में, टीएचडीसीआईएल ने भूस्खलन शमन उपायों के लिए 430 से अधिक डीपीआर तैयार किए हैं, जिनमें उत्तराखंड राज्य सरकार, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), और जम्मू-कश्मीर, पुणे,अरुणाचल प्रदेश और शिलांग सहित देश भर में अन्य स्थानों पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए परियोजनाएं शामिल हैं।

टीएचडीसीआईएल ने प्रमुख भूमिगत घटकों के साथ मेगा हाइड्रो परियोजनाओं के परिकल्प, निर्माण और ओ एंड एम में विशेषज्ञता हासिल की है। इसके अतिरिक्त टीएचडीसी ने समाज के उत्थान और राष्ट्र की समग्र प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। पहाड़ी राज्यों में सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग महत्वपूर्ण जीवन रेखा हैं। तदनुसार, टीएचडीसीआईएल भूस्खलन शमन और ढलान स्थिरीकरण में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से जम्मू और कश्मीर राज्य में प्रमुख बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के साथ-साथ प्रगति और जनसमुदाय के हित को सुनिश्चित करने में सहायक रहा है। मजबूत बुनियादी ढांचे की लगातार बढ़ती मांग के साथ, विशेष रूप से भूवैज्ञानिक अस्थिरताओं से ग्रस्त चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में, टीएचडीसीआईएल जन समुदायों के लिए जीवन रेखा के रूप में काम करने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में एक सशक्त एवं भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभरा है। जम्मू-कश्मीर में इस महत्वपूर्ण परियोजना के अलावा, टीएचडीसीआईएल श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड जैसे अन्य प्रतिष्ठित संगठनों को अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है | इसके अलावा डोडा, रामबन-श्रीनगर, पत्नीटॉप, किश्तवाड़ और चेनानी जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्गों की बुनियादी संरचना स्थिरता में सक्रिय रूप से योगदान दे कर सुरक्षित और समर्पित परिवहन गलियारा सुनिश्चित करके महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ये क्षेत्र कनेक्टिविटी का प्रमुख आधार हैं, प्राय: भूस्खलन और ढलान के कारण हमेशा खतरे में रहते हैं, जिससे परिवहन बाधित होता है और जान माल का जोखिम बना रहता है। टीएचडीसीआईएल भू-तकनीकी जांच, इंजीनियरिंग हस्तक्षेप और भूस्खलन शमन समाधान प्रदान करने के अलावा पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के दिन-प्रतिदिन के जीवन में सहायता करके क्षेत्र की समृद्धि और प्रगति में भरोसेमंद अग्रदूत की भूमिका भी निभा रहा है।

टीएचडीसीआईएल के निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने समझौता ज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टीएचडीसीआईएल की परामर्श सेवाएं विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देती हैं। भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, जल विद्युत और ढलान स्थिरीकरण में अपनी गहन विशेषज्ञता के साथ, टीएचडीसीआईएल भूवैज्ञानिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह समझौता ज्ञापन राष्ट्र निर्माण में एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में टीएचडीसीआईएल की यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

एमओयू पर टीएचडीसीआईएल के महाप्रबंधक, परिकल्प (सिविल-II) डॉ. नीरज अग्रवाल, श्राइन बोर्ड के एडिशनल सीईओ (आईएफएस), श्री आलोक कुमार मौर्य तथा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से श्री संजीव कुमार, उप महानिदेशक (एनआर) ने हस्ताक्षर किए । इस अवसर पर जीएसआई जम्मू के निदेशक, श्री प्रवीण कुमार, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के प्रबंधक श्री रविंदर कौल, टीएचडीसीआईएल के सहायक प्रबंधक, श्री ईशान भूषण और टीएचडीसीआईएल के भू-तकनीकी अभियंता, श्री अमनिन्दर सिंह नय्यर भी उपस्थित थे।

Hon'ble Chief Minister of Arunachal Pradesh chaired the eighth meeting of the State Hydropower Development Steering Committee

In a significant push toward strengthening Arunachal Pradesh's Hydropower sector, Hon'ble Chief Minister of Arunachal Pradesh, Sh. Pema Khandu chaired the eighth meeting of the State Hydropower Development Steering Committee in Tawang district on Thursday. During the high-level review session, the Hon'ble Chief Minister critically reviewed all 13 projects and instructed power developers and state officials to frame a timeline for all activities and adhere accordingly he also urged Power developers operating in the state to explore smaller hydropower projects in their respective river basins, in addition to large-scale ventures. Hon'ble CM added that tributaries of the state's five major rivers hold immense potential, and tapping them could significantly add 100–300 MW to the state's energy basket. Hon'ble Deputy Chief Minister of Arunachal Pradesh, Sh. Chowna Mein, Sh. Hari Krishna Paliwal an Adviser to the Govt. of Arunachal Pradesh holding the rank of Cabinet Minister, Chief Secretary Sh. Manish Kumar Gupta (IAS), senior state officials, and representatives from CPSUs including NHPC, SJVN, NEEPCO, and THDCIL also attended the meeting.

On the sidelines of the meeting, THDC India Limited and the Government of Arunachal Pradesh entered into a Memorandum of Understanding (MoU) for the training and capacity building of technical and non-technical personnel from the Department of Hydro Power Development.

Sh. R. K. Vishnoi, CMD, THDCIL conveyed that THDCIL remains committed to not only building world-class hydroelectric infrastructure but also to fostering local talent and capability. Training is the foundation of sustainable development. By equipping personnel with advanced skills and knowledge, we're investing in the long-term success of Arunachal Pradesh's power sector," he said. He added that THDCIL's HRD division would be conducting in-house training programs at project sites and technical departments, complemented by field exposure visits to operational and under-construction power stations.

This initiative aligns closely with the vision of the Hon'ble Chief Minister to accelerate project timelines while ensuring local participation and empowerment. "Through this MoU, we look forward to developing a skilled local workforce that can not only support THDCIL's ongoing projects but also take on future responsibilities in the energy sector with confidence, Sh. Vishnoi added

The MoU was exchanged between Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL and Sh. Sonam Chombay IRS, Commissioner, Department of Hydro Power Development, Government of Arunachal Pradesh.

Speaking on the occasion, Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL highlighted the collaborative spirit behind the initiative. Sh. Gupta said that this partnership is a step forward in ensuring that Arunachal Pradesh's vast hydro potential is harnessed in a sustainable and inclusive manner. The training modules will be jointly developed and tailored to local needs, with special focus on practical exposure and skill application. He also acknowledged the proactive role played by the officials of Govt of Arunachal Pradesh in facilitating this collaboration. Sh. Virender Singh, CGM (I/C) Arunachal Pradesh also attended the meeting.

टीएचडीसी ने देश के प्रथम 1000 मेगावाट वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट की प्रथम इकाई को पंप कंडेंसर मोड में सिंक्रोनाइज़ करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की

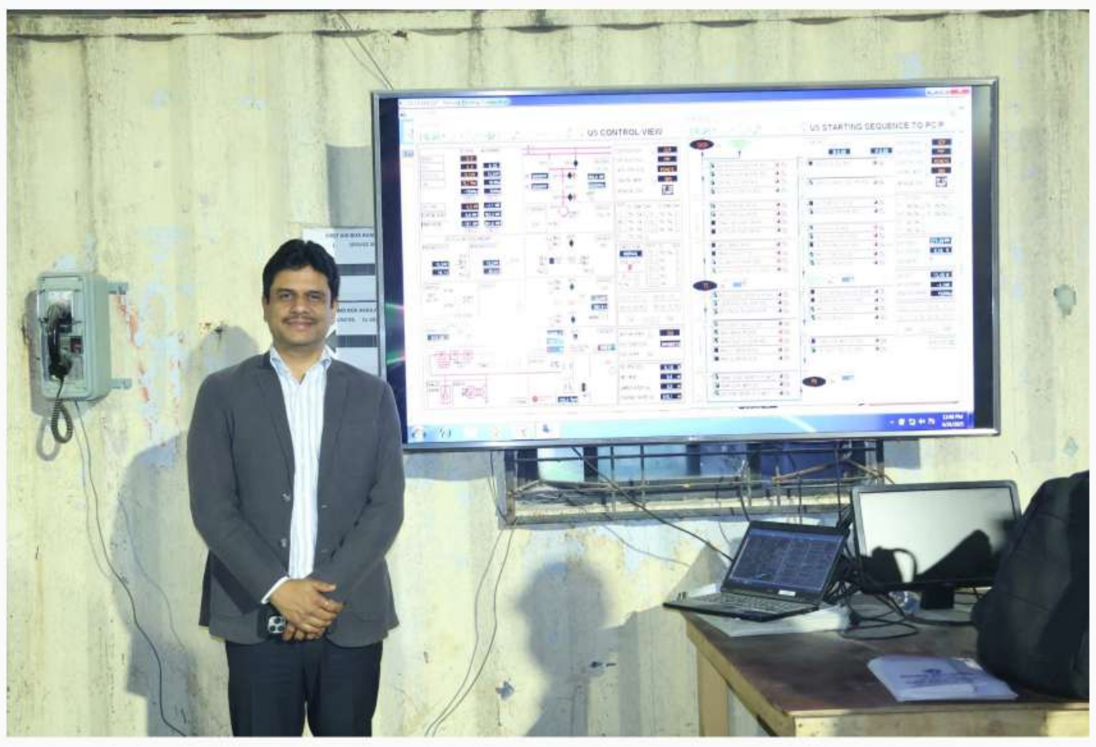

टीएचडीसीआईएल ने टिहरी में देश के प्रथम वेरिएबल स्पीड 1000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) के सफल कमीशनिंग की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही इसकी प्रथम यूनिट (250 मेगावाट) को पंप कंडेनसर मोड में भारतीय ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज़ किया गया। पंप कंडेनसर सिंक्रोनाइज़ेशन 23 अप्रैल, 2025 को किया गया, जिसके फलस्वरूप देश के नवीकरणीय विद्युत बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। सिंक्रोनाइज़ेशन के दौरान, यूनिट का प्रचालन संतोषजनक रहा और लगभग 10 मिनट के भीतर लगभग 4 मेगावाट, 13.6 एमवीएआर की सफलतापूर्वक खपत की गई। श्री आर. के. विश्नोई, सीएमडी ने इस असाधारण उपलब्धि के लिए पीएसपी की टीम को हार्दिक बधाई देते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि यह एक नया मानक है, जो देश के सबसे बड़े जल विद्युत काम्पलेक्स, टिहरी जल विद्युत काम्पलेक्स को 2,400 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता के साथ पूर्ण परिचालन की परिधि में ले जाएगा। श्री विश्नोई ने आगे कहा कि यह उपलब्धि भारत के अक्षय ऊर्जा बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उपलब्धि टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स को एक सतत और लचीले विद्युत भविष्य की ओर देश की प्रगति में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करती है। टिहरी पीएसपी लाखों उपभोक्ताओं को एक सतत और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए अधिशेष ऑफ-पीक विद्युत को पीकिंग पावर में परिवर्तित करके उत्तरी ग्रिड को संतुलित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य रूप से उच्च मांग के समय 1000 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ, इस संयंत्र को ग्रिड को महत्वपूर्ण पीकिंग पावर सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसीआईएल द्वारा इस असाधारण उपलब्धि के लिए टिहरी पीएसपी टीम की सराहना की गई उन्होंने यह भी कहा कि यह उपलब्धि देश की नवीकरणीय विद्युत यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो सतत समाधानों को आगे बढ़ाने और देश के स्वच्छ विद्युत वितरण का समर्थन करने में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका को सुदृढ़ बनाती है।

श्री भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी), ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए टिहरी पीएसपी टीम को बधाई दी और टीम के समर्पण और अभिनव दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश में जलविद्युत परियोजनाओं के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया गया है। श्री गुप्ता ने कहा कि यह सफल समन्वय न केवल टीएचडीसी के लिए, बल्कि देश के संपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। टिहरी पीएसपी हमारी प्रौद्योगिकी कौशल और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ देश की स्वच्छ विद्युत महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त), टीएचडीसीआईएल ने 1000 मेगावाट के टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट की प्रथम इकाई को पंप कंडेंसर मोड में सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज़ करने पर टिहरी पीएसपी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश की विद्युत के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को दर्शाती है और सतत एवं लचीले विद्युत समाधानों के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस विशेष अवसर पर श्री एल.पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री ए.आर. गैरोला, मुख्य महाप्रबंधक/ईआईसी(पीएसपी), श्री एस. के. साहू, अपर महाप्रबंधक/प्रभारी(ईएम एंड एचएम पीएसपी), टीएचडीसीआईएल तथा मेसर्स जीईपीआईएल, टीएचडीसीआईएल सलाहकार मेसर्स ट्रैक्टबेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निदेशक (हाइड्रो) ने किया खुर्जा परियोजना का निरीक्षण

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार में निदेशक (जलविद्युत) श्री अशोक कुमार द्वारा 26 अप्रैल, 2025 को 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना का दौरा किया गया। निदेशक (हाइड्रो) ने विभिन्न उत्पादन इकाइयों, नियंत्रण कक्षों तथा सहायक प्रतिष्ठानों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संयंत्र के संचालन, सुरक्षा उपायों तथा पर्यावरणीय प्रबंधन पर चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें परियोजना की वर्तमान स्थिति, उत्पादन क्षमता, परिचालन दक्षता और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशक (हाइड्रो) ने यूनिट #2 की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। निरीक्षण के बाद निदेशक (हाइड्रो) ने खुर्जा परियोजना के प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर श्री बी. के. साहू, महाप्रबंधक (ओ. एण्ड एम.), श्री आर. एम. दुबे, महाप्रबंधक (विद्युत), श्री शैलेश ध्यानी, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिकी), श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक (टीजी), श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (मा. सं . एवं प्रशा.) एवं टीएचडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

India's First 1000 MW Variable Speed Pumped Storage Plant Achieves Milestone with Successful First-Time Pumping

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, announced a landmark achievement in India's Renewable Energy sector with the First-Time Pumping of water from lower reservoir to upper reservoir with Unit-1 of India's First 1000 MW Variable Speed Pumped Storage Plant. This historic event occurred on April 29, 2025, marked a significant leap in strengthening India's Energy storage capabilities.

During this critical operation, the unit successfully pumped water drawing approximately 172 MW of power from the grid for around two minutes. Water was lifted from the Tail Race Tunnel (TRT) at Elevation 611.00 meters to the Head Race Tunnel (HRT) at Elevation 754.00 meters. Comprehensive inspections of the entire water conductor system—including both upstream and downstream surge shafts—revealed no leakage or anomalies. All vibration levels, along with electrical and mechanical parameters, remained within prescribed limits, confirming the system's operational integrity and reliability.

Congratulating the entire PSP team, Sh. Vishnoi underscored the importance of this milestone in India's journey toward a robust, Sustainable Energy infrastructure. "This success exemplifies our unwavering commitment to advancing the Nation's Renewable Energy roadmap," he said. "It also reaffirms the Tehri Hydro Power Complex's pivotal role as a cornerstone of India's Energy transition and Storage solutions."

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), praised the dedication and perseverance of the Tehri PSP team, noting that the achievement is a reflection of their relentless hard work and technical excellence.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), extended his congratulations to the entire team, emphasizing that this achievement represents a critical milestone in expanding THDCIL's footprint in pumped storage. Sh. Gupta added that this is a step forward in enhancing our Renewable Energy capabilities and stabilizing the National Grid.

Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance), congratulated the team PSP for achieving this major milestone and commended their dedication and hard work in the successful execution of such a complex operation. The assignment was carried out by the Tehri PSP team lead by Sh. L. P. Joshi, Executive Director (Tehri Complex). The dedicated team comprised Sh. S. K. Sahoo, AGM-Incharge (EM&HM, PSP), along with senior officials from THDCIL.

Various events were held in Amelia Project on the occasion of Public Sector Day

Amelia Coal Mine Project, Singrauli, MP oberved Public Sector Day with great enthusiasm, and a renewed commitment to public service. To mark the occasion, a Quiz Competition and an Essay Writing Competition were organized for employees, aiming to promote awareness about the public sector's role in nation-building while fostering engagement, creativity, and knowledge sharing. The quiz witnessed enthusiastic participation from various departments, showcasing team spirit and in-depth knowledge of the Indian public sector. The essay competition, themed "The Role of Public Sector in Building an Inclusive and Sustainable Future", offered employees a platform to share their ideas and insights. The prize distribution ceremony was held on April 21, 2025, where the winners were felicitated. The week-long celebration reflected the dedication, unity, and creative spirit of the team.

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर कॉरपोरेट कार्यालय में चलाया गया फॉगिंग एवं मिस्टिंग अभियान

हर वर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य मलेरिया के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, इसकी रोकथाम और नियंत्रण के लिए वैश्विक प्रयासों को सशक्त बनाना तथा इस जानलेवा बीमारी को पूर्णतः समाप्त करने की दिशा में कार्य करना है। इसी क्रम में, विश्व मलेरिया दिवस 2025 के उपलक्ष्य में 24 एवं 25 अप्रैल, 2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा गतिविधियां आयोजित की गईं। कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, कार्यालय परिसरों तथा आवासीय कॉलोनी क्षेत्रों में व्यापक फॉगिंग एवं मिस्टिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य मलेरिया तथा अन्य मच्छरजनित बीमारियों के संक्रमण को रोकना एवं एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना रहा। निरामय स्वास्थ्य केंद्र, ऋषिकेश की देखरेख में किए गए इन उपायों से सभी कर्मचारियों को मच्छरों से होने वाले खतरों के प्रति सतर्क रहने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

टिहरी में सार्वजनिक उपक्रम सप्ताह समारोह का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी में कॉरपोरेट कार्यालय के निर्देशानुसार 10 अप्रैल, 2025 से 16 अप्रैल, 2025 तक सार्वजनिक उपक्रम सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के आयोजन के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कार्मिकों द्वारा बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले कार्मिकों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

टिहरी में चिकित्सा सेमीनार एवं शिविर का आयोजन

टिहरी स्थित अतिथि गृह सभागार भागीरथीपुरम में मैक्स हॉस्पिटल, साकेत के चिकित्सकों के सहयोग से 24 अप्रैल, 2025 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। मैक्स हॉस्पिटल, साकेत के चिकित्सकों का स्वागत कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) द्वारा गुलदस्ता प्रदान कर किया गया। इस सेमीनार में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव अग्रवाल एवं डॉ. अंकित द्वारा सेमीनार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को हृदय से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों एवं उनके उपचार की जानकारी दी गई। उपस्थित कर्मियों द्वारा व्याख्यान देने वाले चिकित्सकों से हृदय सम्बन्धी विभिन्न रोगों के बारे में प्रश्न (जैसे ये रोग किस कारण से होते हैं और हमें इससे बचने के लिए क्या-क्या उपाय करने चाहिए) आदि पूछे गए।

साथ ही टिहरी चिकित्सालय, भागीरथीपुरम के सौजन्य से एवं मैक्स हॉस्पिटल, साकेत के सहयोग से चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री एल.पी. जोशी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस चिकित्सा शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ मैक्स, साकेत डॉ. राजीव अग्रवाल एवं डॉ. अंकित द्वारा चिकित्सालय में आए रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं जांच की गई। इस शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री एल.पी. जोशी ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है। हर कोई अपने-अपने विभागीय एवं निजी कार्यों में व्यस्त है। इस कारण लोग स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। आज के भागदौड़ की जिंदगी में हम सभी को अपने दैनिक कार्यों के निर्वहन के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति भी नियमित रूप से सचेत रहना चाहिए तथा हमारे चिकित्सालयों के द्वारा जो समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है उसका हम सभी को लाभ उठाना चाहिए और अपने स्वास्थ्य की जांच करानी चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कोटेश्वर परियोजना), श्री एम.के. सिंह, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्री डी.पी. पात्रों, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय प्रभारी), डॉ. नमिता डिमरी, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय), डॉ. आर.एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. एंड्रयू रविन्द्र प्रसाद, डॉ. वरुण त्रिपाठी, डॉ. दीपा मित्तल, डॉ. अभिज्ञान बहुगुणा एवं मैक्स हॉस्पिटल, साकेत के चिकित्सकों सहित चिकित्सालय भागीरथीपुरम के समस्त चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

टिहरी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का आयोजन

टिहरी परियोजना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.), श्री डी.पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय), डॉ. नमिता डिमरी, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री मोहन सिंह, प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री मनबीर नेगी, प्रबंधक (कल्याण), श्री दीपक उनियाल एवं अन्य महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। श्री पात्रो ने इस अवसर पर महिला दिवस की शुभकामना देते हुए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तीकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। आए दिन विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ कर उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं और देश का मान बढ़ा रही हैं। देश में इनके कार्यों को सराहा जा रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि आज महिलाएं अपने अधिकारों को प्राप्त करने में कहीं भी पीछे नहीं हैं और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर रही हैं।

डॉ. नमिता डिमरी ने महिला सशक्तीकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही महिलाओं द्वारा उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसका उपस्थित सभी महिलाओं द्वारा आनन्द लिया गया।

बुलंदशहर की जिलाधिकारी ने किया खुर्जा परियोजना का दौरा

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद की जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति ने 19 अप्रैल, 2025 को खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना का दौरा किया। परियोजना में स्थित सरस्वती अतिथि गृह पर उनका स्वागत श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक द्वारा प्लांट भेंट कर किया गया। जिलाधिकारी ने परियोजना क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम, बॉयलर, स्विचयार्ड एरिया आदि की कार्यप्रणाली को देखा और समझा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में खुर्जा परियोजना की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।इस अवसर पर श्री दिनेश कुमार सिंह, वरि. पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर, श्री बी. के. साहू, महाप्रबंधक, श्री संदीप भटनागर, महाप्रबंधक, श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

खुर्जा परियोजना में ब्रेन योग कार्यशाला का किया गया आयोजन

खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में 16 से 18 अप्रैल, 2025 तक तीन दिवसीय ब्रेन योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री कुमार शरद (परियोजना प्रमुख) ने इस कार्यशाला का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्री सुरेश प्रभु द्वारा ब्रेन योग के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को दिमाग को सक्रिय और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए अनेक व्यायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने और ब्रेन योग के नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों को गहराई से समझा।

Health Camp was organized in Amelia Coal Mine Project

A health camp was organized at the Amelia Coal Mine Project, Singrauli, M.P. on April 10, 2025, at the newly constructed THDC Hospital building located in the R&R Colony, Pachour village. The camp was conducted for project-affected families as well as nearby villagers. A team of 15 doctors, along with paramedical staff, provided free health check-ups to approximately 80 project-affected individuals who enrolled for the services.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 1320 मेगावाट खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना की यूनिट-2 के बॉयलर लाइट-अप प्रक्रिया की सफलता के साथ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद स्थित 1320 (2x660) मेगावाट क्षमता की खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना की यूनिट-2 के बॉयलर लाइट-अप (Boiler Light-Up) प्रक्रिया की सफलता के साथ परियोजना की कमीशनिंग की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि यूनिट-2 के कमीशनिंग प्रक्रिया में एक निर्णायक प्रगति को दर्शाती है तथा आगामी प्रमुख गतिविधियों जैसे कि स्टीम ब्लोइंग (Steam Blowing) एवं यूनिट-2 के सिंक्रोनाइज़ेशन हेतु आधारशिला प्रदान करती है। इन पक्रियाओं के माध्यम से परियोजना पूरी क्षमता पर वाणिज्यिक संचालन की ओर अग्रसर हो रही है।

इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि बॉयलर लाइट-अप किसी भी थर्मल पावर परियोजना में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी पड़ाव होता है। यह प्रक्रिया बॉयलर के घटकों को नियंत्रित रूप से ईंधन द्वारा गर्म करके भाप उत्पन्न करने की शुरुआत का संकेत देती है, जिससे दबाव युक्त भागों का सुरक्षित तापीय विस्तार सुनिश्चित होता है। यह यूनिट की कमीशनिंग एवं ऊर्जा उत्पादन की गतिविधियों के लिए इस प्रणाली की तैयारी को प्रमाणित करती है।

उन्होंने बताया कि यूनिट-2 के बॉयलर को प्रति घंटे 2100 टन (TPH) भाप, 603 डिग्री सेल्सियस तापमान एवं 278 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर के दबाव पर उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह संयंत्र की मजबूत संरचना और उच्च दक्षता वाली विद्युत उत्पादन क्षमता को दर्शाता है। इसके साथ ही, कोल हैंडलिंग प्लांट (CHP) में वैगन टिपलर-2 और इसके साइड आर्म चार्जर का 10 अप्रैल, 2025 को पूर्ण भार पर सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा किया गया। यूनिट-2 के बॉयलर लाइट-अप की सफलता परियोजना की समग्र कमीशनिंग प्रगति को और सुदृढ़ करती है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने खुर्जा परियोजना की पूरी टीम तथा सभी सहयोगी संस्थाओं को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यूनिट-1 की सफल कमीशनिंग के उपरांत यूनिट-2 का बॉयलर लाइट-अप इस परियोजना की पूर्ण परिचालन क्षमता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया परियोजना की प्रमुख तकनीकी प्रणालियों की कार्यसिद्धता को दर्शाती है तथा यूनिट के सिंक्रोनाइज़ेशन के लिए ठोस आधार प्रदान करती है।

बॉयलर लाइट-अप प्रक्रिया के दौरान परियोजना से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री बी. के. साहू, महाप्रबंधक (सी/ओ एंड एम), श्री आर. एम. दुबे, महाप्रबंधक (विद्युत), श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक (टर्बाइन जनरेटर), श्री शैलेश ध्यानी, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिक), श्री अरविंद यादव, उप महाप्रबंधक (यांत्रिक), श्री आर. के. यादव, उप महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी), एवं श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) मौजूद थे। वहीं एसटीईएजी, एनटीपीसी, एलएमबी एवं भेल (BHEL) के प्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे।

खुर्जा परियोजना में पब्लिक सेक्टर डे के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

खुर्जा परियोजना में 10 अप्रैल 2025 से 16 अप्रैल 2025 तक पब्लिक सेक्टर डे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विकास में सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के योगदान को रेखांकित करना था। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। पब्लिक सेक्टर डे के महत्व को लोगों को समझाने के लिए परियोजना में विभिन्न स्थानों पर बैनर एवं पोस्टर लगाए गए। समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की उपलब्धियों को बताया गया। 17 अप्रैल, 2025 को समापन समारोह को श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने संबोधित किया एवं नारा प्रतियोगिता में विजयी हुए प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।

विश्व बैंक मिशन ने विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की प्रगति की सराहना की

विश्व बैंक के एक उच्च स्तरीय मिशन ने 21 अप्रैल, 2025 से 24 अप्रैल, 2025 तक टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) का दौरा किया, जो विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित है। इस दौरे का उद्देश्य परियोजना की प्रगति की समीक्षा करना था, जिसके उपरांत मिशन टीम ने परियोजना की तकनीकी, सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास के क्षेत्रों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

05 सदस्यीय विश्व बैंक प्रतिनिधिमंडल में श्री ज़ेनन मालोविक (टास्क टीम लीडर), श्री आर्थर कोचनाक्यन, सुश्री सोना ठाकुर, श्री अवनीश कांत तथा सुश्री स्वाति डोगरा शामिल थे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वीपीएचईपी अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठकें कीं तथा परियोजना के प्रमुख स्थलों जैसे कि टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) स्थल, पावर हाउस परिसर, सर्ज शाफ्ट तथा डैम साइट का निरीक्षण किया।

मिशन ने परियोजना में बीते वर्षों में हुए सकारात्मक परिवर्तन और प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने तकनीकी पक्षों के साथ-साथ परियोजना की सामाजिक व पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और हितधारकों से संवाद की रणनीतियों की भी गहन समीक्षा की। टीम ने परियोजना के समग्र विकास हेतु टीएचडीसी की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।

टिहरी परियोजना, सुरक्षा समिति की कार्यकारिणी की संयुक्त त्रैमासिक बैठक संपन्न

टिहरी परियोजना के सुरक्षा विभाग द्वारा सुरक्षा समिति की कार्यकारिणी की संयुक्त त्रैमासिक बैठक का आयोजन 25 मार्च, 2025 को टॉप टेरेस अथितिगृह बीपुरम, टिहरी सभागार में किया गया। सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता श्री एल० पी० जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) के द्वारा की गई। बैठक में प्रबंधन प्रतिनिधि एवं कामगार प्रतिनिधि कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहें। बैठक का आयोजन सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। बैठक में परियोजना पर व्याप्त खतरों, जोखिम के नियंत्रण एवं श्रमिकों के व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मुख्य मसौदा बिंदुओं पर परिचर्चा की गई एवं ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न न हो तथा उनके समाधान के लिए तत्पर रहने को कहा गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर वीपीएचईपी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत चमोली जनपद के परियोजना प्रभावित क्षेत्र गुनियाला गांव (ब्लॉक - दशोली) में 08 अप्रैल 2025 को एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर ग्रामीण कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। यह स्वास्थ्य शिविर विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) की सीएसआर पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य परियोजना क्षेत्र के आस-पास के दूरस्थ गांवों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था।

इस शिविर का नेतृत्व वीपीएचईपी की वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ निकिता शर्मा ने किया। वीपीएचईपी औषधालय की टीम द्वारा 30 से अधिक ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक चिकित्सकीय जांच तथा निःशुल्क परामर्श, उपचार और दवाओं का वितरण किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया जो टीएचडीसीआईएल के समग्र विकास के प्रयासों में उनकी आस्था को दर्शाता है। शिविर के सफल आयोजन में सुश्री अभिजिता साहू, फील्ड ऑफिसर (सामाजिक विभाग), ने स्थानीय हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित किया।

इस अवसर पर वीपीएचईपी परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा ने कहा, “टीएचडीसी में हम मानते हैं कि हमारी परियोजनाओं के आसपास रहने वाले समुदायों का स्वास्थ्य और कल्याण, सतत विकास की हमारी दृष्टि का अभिन्न हिस्सा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर गुनियाला गांव एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। हम भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी अभियानों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के स्वास्थ्य और जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।”

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा ज्योति स्पेशल विद्यालय का दौरा

टीएचडीसी लेडीज वेलफ़ेयर एसोसिएशन ऋषिकेश, "तेजस्विनी" द्वारा वेलफेयर कार्यक्रम के अंतर्गत, मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई के मार्गदर्शन में 15 मई , 2025 को ज्योति स्पेशल विद्यालय ऋषिकेश के छात्र-छात्राओं को उनके जरूरी सामान रखने हेतु आलमारियां वितरित की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन की संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग भी उपस्थित रहीं। साथ ही इस अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहन के साथ साथ खान-पान की सामग्री भी वितरित की गई। बच्चों के मुस्कराते चेहरों ने सभी का मन मोह लिया | सभी सदस्याओं ने उनके सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा मासिक बैठक का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश "तेजस्विनी" द्वारा 28 अप्रैल, 2025 को क्लब की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें नियमित एक्टिविटी एवं टैलेंट शो केस राउंड के साथ ही क्लब की दो सदस्याओं श्रीमती सुमन लता एवं श्रीमती कमला रावत का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। तत्पश्चात दोनों सदस्यों का स्वागत किया गया। सभी सदस्याओं ने अनेक प्रकार के गेमस का भी आनंद लिया।

एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई, संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता, संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग ने दोनों सदस्याओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर कुछ सदस्याओं ने विदाई समारोह में अपनी भावनाओं को व्यक्त कर माहौल भावुक कर दिया। विदाई समारोह के पश्चात अप्रैल माह में जन्मे सभी सदस्यों का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया।

स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए वीपीएचईपी द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

सामुदायिक विकास एवं कौशल संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए वीपीएचईपी द्वारा 23 अप्रैल, 2025 को ग्राम नौराख में एक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस नवस्थापित प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य स्थानीय छात्रों को मूलभूत कंप्यूटर ज्ञान प्रदान कर उन्हें डिजिटल युग के अनुरूप सशक्त बनाना है। वर्तमान में 40 छात्रों ने प्रथम बैच में पंजीकरण कराया है, जो यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर कौशल सीखने और आत्मनिर्भर बनने के प्रति गहरी रुचि है। इस अवसर पर श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (सामाजिक, पर्यावरण एवं टीबीएम) ने कहा, "यह पहल हमारे समावेशी विकास और कौशल निर्माण के दृष्टिकोण को दर्शाती है। डिजिटल शिक्षा तक पहुँच प्रदान कर, हम इन युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलना चाहते हैं ताकि वे स्वयं का भविष्य संवार सकें और अपने समुदाय को भी सशक्त बना सकें।"

श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख, वीपीएचईपी ने भी इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, "यह प्रशिक्षण केंद्र परियोजना प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों के कल्याण हेतु हमारी व्यापक प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। हमारा उद्देश्य केवल अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं है, बल्कि आसपास के लोगों के जीवन में सार्थक योगदान देना भी है। यह आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में हमारा एक और कदम है।" सुश्री अभिजिता साहू (फील्ड ऑफिसर), श्रीमती नीलम हटवाल (सोशल मोबिलाइज़र) एवं श्रीमती रमेंश्वरी हटवाल भी इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहीं।

HRD CORNER

Orientation and Evaluation of Junior Engineer Trainees (JETs)

The Orientation and Evaluation Program of 17 Nos. Junior Engineer Trainees (JETs) was held from 01st to 4th April, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The program comprised 03 day orientation module and 01 day evaluation. During the orientation, the Junior Engineer Trainees were provided exposure to various functionalities of the organization such as Corporate Planning, HR Policies, Knowledge of Finance Module, HRMS Module, Procurement Policies etc through classroom sessions provided by Internal Faculties. The 04 day program ended with the final evaluation of the on-job performance of the JETs. Assessment of the performance was done through Presentations and Interview taken by duly constituted Committees.

02-Day Workshop on Total Wellness Through Self Development in Line With Social Emotional Learning

A 02-day workshop on Total Wellness Through Self Development in Line With Social Emotional Learning was held on 07th & 08th April,2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The workshop was conducted for Executives from E0 to E5 grades from across locations of THDCIL. The workshop covered topics such as Sustainable Motivation through Self awareness, self improvement through self management, social awareness and responsible decision making through clarity. The participants found the training program very useful and appreciated the importance of it in their personal and professional lives.

02-Day Training Program on Project Management

A two-day training program on Project Management was conducted from 29th to 30th April, 2025 for Executives in E3 to E6 levels from across all locations of THDCIL at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The program was designed to enhance participants proficiency in effectively managing projects while simultaneously developing essential competencies in leadership, critical decision-making, and ethical governance. The two-day training program helped the participants to bring together the essentials of executive leadership, project planning, and the application of digital and behavioral tools to foster successful project outcomes. The participants found the training program very engaging and essential to their day to day working.

कोटेश्वर परियोजना में मनाया गया 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

कोटेश्वर परियोजना के सुरक्षा विभाग द्वारा 54वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह (04 मार्च से 10 मार्च) के तहत विभिन्न प्रकार के प्रतियोगितात्मक कार्यक्रम एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। 54वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 04 मार्च, 2025 के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (कोटेश्वर परियोजना), अध्यक्ष सुरक्षा समिति कोटेश्वर के सुरक्षा विभाग के फील्ड ऑफिसर द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (कोटेश्वर परियोजना) द्वारा सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर सुरक्षा झंडे को फहराया गया। सुरक्षा विभाग द्वारा उपस्थित कार्मिकों में मिष्ठान वितरण किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के मध्य परियोजना में कार्यरत कार्मिकों हेतु निबंध लेखन प्रतियोगिता, नारा प्रतियोगिता, सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण, जिला अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं अग्निशमन इकाई, के.औ.सु.ब. के साथ मिलकर वाह्य मदद से परियोजना पर अग्नि खतरे की आपातकाल की आकस्मिक परिस्थिति में बचाव राहत एवं सुरक्षा नियंत्रण की कार्रवाई एवं आकस्मिक तैयारियों एवं त्वरित प्रतिक्रिया दल के सदस्यों द्वारा दी गई तथा कार्यवाही का विश्लेषण किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के समापन के अवसर पर सुरक्षा सप्ताह के मध्य आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर स्थान प्राप्त करने वाले कार्मिकों एवं निर्णायक मण्डल के सदस्यों को श्री दिनेश सिंह चौहान, अपर महाप्रबंधक (ओ.एंड एम.) द्वारा पुरस्कृत किया गया।

Industrial Visit for Polytechnic Students at VPHEP

In alignment with its continued commitment to knowledge-sharing, capacity-building, and student welfare, THDC India Limited organized a one-day industrial and educational visit for 54 final-year diploma students from the Mechanical, Civil, and Electrical streams of Narendra Singh Bhandari Government Polytechnic College at its Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) site on 4th April 2025. During the visit, the students interacted with project officials, explored on-site technical components, and understood the socio-environmental framework that supports a mega infrastructure like VPHEP. Sh. Ajay Verma, Head of Project, VPHEP, inaugurated the session and welcomed the young visitors. He was joined by Sh. K.P. Singh, General Manager (TBM), in motivating the students to delve deep into understanding various dimensions of hydropower project implementation. “This is not just a site visit,” Sh. Verma remarked, “It is an opportunity to connect academic knowledge with large-scale national development”. The students participated in interactive technical sessions conducted by key project personnel who brought multi-disciplinary expertise to the table. These included Sh. Raju Maurya (Deputy Manager, TBM), Sh. Akhand Pratap Singh (Deputy Manager, CO), Sh. Gaurav Bhatt (Deputy Manager, Power House), Sh. Avinash Kumar (Assistant Manager, PR), Sh. Pankaj Diwakar (Assistant Manager, TBM), Sh. Md. Mussa (Field Officer, G&G), Ms. Abhijita Sahu (Field Officer, Social), and Sh. Dhiraj Adhikari (Field Officer, Environment). Over the years, THDC has regularly hosted similar training programs, workshops, and industrial visits at various project locations including Tehri, Koteshwar, and VPHEP, offering students valuable exposure to real-world engineering environments.

कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।

Action is always greater than inaction.

टिहरी में कार्मिकों हेतु मैराथन वॉक 4.0 का आयोजन

कॉरपोरेट कार्यालय के निर्देशानुसार टिहरी यूनिट एवं कोटेश्वर यूनिट के समस्त कार्मिकों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने हेतु मैराथन वॉक 4.0 फॉर फिटनेस का आयोजन किया गया। इसमें 02 मार्च, 2025 को कामगार श्रेणी से लेकर पर्यवेक्षक पद हेतु एवं दिनांक 04 मार्च, 2025 को ई-2 वर्ग से ई-9 वर्ग हेतु आयोजन किया गया, जिसका कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री एल.पी. जोशी द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। यह मैराथन वॉक 4.0 फॉर फिटनेस, धर्मशाला से जीरो ब्रिज तक कोटेश्वर परियोजना की ओर की गई।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबन्धक (कोटेश्वर परियोजना), श्री एम.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (पीएसपी) श्री ए. आर. गैरोला, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्री डी.पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय) डॉ. नमिता डिमरी, अपर महाप्रबंधक (ओ.एण्ड एम.) श्री आर.एस. राणा, अपर महाप्रबंधक (वित्त) श्री मनोज ग्रोवर, अपर महाप्रबंधक (पी.एस.पी.) श्री एस.के. साहू सहित बड़ी संख्या में कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वीपीएचईपी में हथियारबंद आतंकी हमले से निपटने के लिए हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

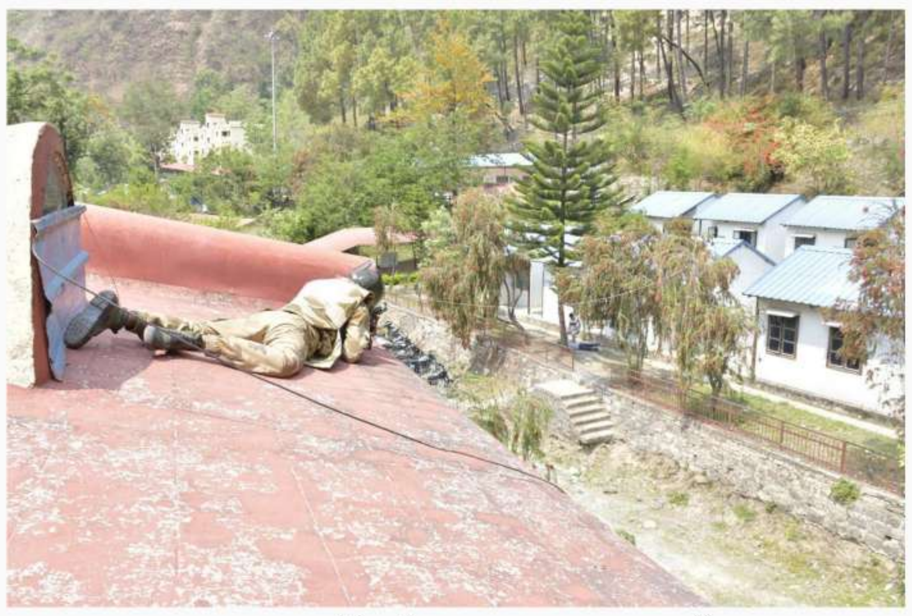

टीएचडीसी की निर्माणाधीन वीपीएचईपी के प्रशासनिक भवन में 16 अप्रैल, 2025 को सशस्त्र आतंकी हमले की मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के उप कमांडेंट श्री विष्णनाथ अवुटी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण आपदा प्रबंधन अभ्यास में सीआईएसएफ जवानों के साथ-साथ वीपीएचईपी के कर्मचारी, परियोजना सुरक्षा टीम एवं परियोजना अस्पताल की मेडिकल टीम ने सक्रिय भागीदारी की। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी संभावित आतंकी हमले की स्थिति में सभी संबंधित पक्षों की तत्परता, समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना था।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने सीआईएसएफ एवं सभी सहायक टीमों की तत्परता और पेशेवर कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा, “इस प्रकार की मॉक ड्रिल्स हमारी सुरक्षा तैयारियों को सशक्त बनाने हेतु अत्यंत आवश्यक हैं। मैं सीआईएसएफ, परियोजना सुरक्षा टीम एवं सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस ड्रिल को सफल बनाया। इस प्रकार की पहलें वीपीएचईपी जैसी महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।”

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Chhetra Pal Singh
GM (AP-HEP)
Arunachal Pradesh
DOR: 30-04-2025

Sh. Chhetra Pal Singh, GM, Arunachal Pradesh HEP, superannuated on 30th April 2025 from THDC India Limited after over 33 years of distinguished service. A Civil Engineer from Regional Engineering College, Durgapur (1988), he began his journey with THDCIL as an Engineer in 1991.

Over a distinguished career spanning more than three decades, he contributed significantly to many iconic projects such as the Tehri Hydro Power Complex, Vishnugad Pipalkoti , Jhelum Tamak, Bokang Bailing, damwe lower HEP and Kalai -II HEP. Known for his expertise in DPR preparation, project execution, land acquisition, and stakeholder coordination, he played a pivotal role in ensuring timely completion and resolving complex issues on the ground, and leading multidisciplinary teams with vision and discipline.

As GM (Arunachal Pradesh HEP), he led the recent Kalai-II HEP (1200 MW) initiative in Arunachal Pradesh, managing inter-agency coordination and laying the groundwork for future development. His leadership in procurement, civil infrastructure, and environmental compliance has left a strong legacy within THDCIL.

His contributions to THDCIL will always be remembered.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Amardeep
GM (S&E)
Rishikesh
DOR: 30-04-2025

Sh. Amardeep, GM (S&E), Rishikesh, superannuated on 30th April 2025, from the corporation. A Civil Engineer from GB Pant University, Pantanagar (1988), he began his journey with THDCIL as an Engineer Trainee in 1989.

Over a distinguished career spanning more than three decades, he played vital roles in key projects, including cost estimation for the Tehri underground powerhouse, rehabilitation planning, and contract management. He notably coordinated with the High-Powered Expert Committee for formulating the Tehri Project's R&R Policy and led community development initiatives worth ₹33 crore for the Khurja STPP.

As CSR Head at Tehri, he led several impactful projects, including the award-winning Telemedicine Project. In his final tenure at the Corporate Office, he championed policy reforms, introduced the Environment and ESG Policies, and secured ₹7 crore from CPSEs for developing a High-Performance Academy for Kayaking & Canoeing at Tehri.

He also served as Chairman of the BBLC of CSR and President of SEWA-THDC and THDC Education Society, driving sustainable and inclusive growth. Under his leadership, THDCIL earned multiple national and international recognitions in CSR and environmental excellence. His contributions in THDC will always be remembered.

श्री आर.के. बहुगुणा
उप महाप्रबंधक (पीएसपी- जल यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री गोविंद सिंह रावत
प्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री राकेश भटनागर
उप-अभियंता (प्रारूपकार-आर. एंड डी.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री मुकेश कुमार गैरोला
उप-अभियंता (तकनीकी)
ओ.एन्ड.एम., टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री राजेन्द्र सिंह नेगी
उप अधिकारी (वाहन ऑपरेटर),
मा.सं.- प्रशा., ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री अर्जुन सिंह नेगी
वरिष्ठ कार्य सहायक (स्टोर)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री शंकर दत्त बहुगुणा
परिचारक (परिकल्प-सिविल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्रीमती कमला देवी
परिचारक (बीआरएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्रीमती सुशीला देवी
परिचारक (बीआरएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्री महेंद्र कुमार
परिचारक (निदेशक वित्त सचिवालय)
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

श्रीमती चमनो देवी
सफाई कर्मचारी (बीआरएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-04-2025

Designed In-House by Corporate Communication Department, Rishikesh